

गुरु आदेशो मे हरदम जिसने समय गुजारा



गुरु आदेशो मे हरदम,
जिसने समय गुजारा,
उसको ही सतगुरु ने,
भव से है पार उतारा,
गुरु आदेशो मे हरदम।

तर्ज - रहा गर्दिशो मे हरदम मेरे।

पड़े जब यमो की मारे,
कोई आए न बचाने,
पड़े जब यमो की,
सारी उमर है तूने,
जिनका किया गुजारा,
गुरु आदेशो मे हरदम।

समझे जिन्हे तू अपने,
होगे वही बैगाने,
समझे जिन्है तू,
एक दिन तुझे जलाए,
जो था तेरा दुलारा,
गुरु आदेशो मे हरदम।

भजले हरि को बन्दे,
उलझे है क्यो जगत मे,
भजले हरि को बन्दे,
मतलव के यार है सब,
कोई नही हमारा,
गुरु आदेशो मे हरदम।

गुरु आदेशो मे हरदम,
जिसने समय गुजारा,
उसको ही सतगुरु ने,
भव से है पार उतारा,
गुरु आदेशो मे हरदम।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>